औकिब नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर इरफान पठान ने उठाये सवाल, घरेलू क्रिकेट में रहा है बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफान पठान ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी टीम में जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी है। नबी ने पिछले रणजी ट्राफी सीजन में 60 विकेट लेकर अपनी टीम को पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उनका प्रदर्शन ठीक रहा था। भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी भी उन्होंने दो चार दिवसीय मुकाबलों में छह विकेट लिए थे। इसके बाद भी नबी को शामिल नहीं किये जाने पर पठान ने सवाल उठाये हैं। पठान ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि चयन समिति के पास कोई तार्किक जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि जब घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है, तो नबी के साथ अलग व्यवहार क्यों किया गया।

इरफान ने कहा, मेरे पास औकिब नबी के चयन न होने का कोई तार्किक जवाब नहीं है। मैं चयन प्रक्रिया को समझ नहीं पाया। जब जसप्रीत बुमराह उपलब्ध नहीं होते हैं तो मोहम्मद सिराज आपके प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ उस टेस्ट में सिराज को खिलाने की क्या जरूरत थी, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा भी नहीं था घरेलू प्रदर्शन मायने रखता है तो औकिब को मौका क्यों नहीं मिलाइरफान पठान ने हालांकिसारांश जैन के चयन की सराहना करते हुए कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए। सा ही कहा कि यही पैमाना औकिब नबी के मामले में भी लागू किया जाना चाहिये था।

उन्होंने कहा, सारांश जैन का घरेलू प्रदर्शन के दम पर टीम में चुना जाना शानदार फैसला है। इससे घरेलू क्रिकेट खेलने वालों को संदेश मिलता है कि प्रदर्शन का सम्मान होगा। लेकिन फिर औकिब के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ उन्होंने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और तेज गेंदबाज होने के नाते टीम को हमेशा बैकअप की जरूरत रहती है।घरेलू क्रिकेट, इंडिया-ए और आईपीएल में प्रभावित करने के बावजूद नबी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल सकी। अब उनकी नजर आगामी घरेलू सीजन में फिर से शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने की रहेंगी

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए शान मसूद

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में रविवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को शान मसूद की कमी खलेगी, क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को उंगली में चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। तरौबा में खेले गए पहले टेस्ट की पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए जेडेन सील्स की गेंद लगने से मसूद के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी; पाकिस्तान यह मैच 90 रन से हार गया था। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में भी मसूद के खेलने पर संदेह है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि 19 अगस्त से लीड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने पर निर्भर करेगी। पीसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज शान मसूद को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। स्कैन और क्लिनिकल जांच के बाद, शान का इलाज अभी पाकिस्तान टीम का मेडिकल पैनल कर रहा है। पीसीबी ने कहा, 19 अगस्त से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने और क्लिनिकल प्रोग्रेस (सुधार) पर निर्भर करेगी।

अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे जम्पा

सिडनी। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे। अब तक वह न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते आये थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। जम्पा ने ये कदम अपनी ट्रेनिंग सुविधाओं के करीब रहने के लिए उठाया है। क्वींसलैंड की राजधानी ब्रिस्बेन में अभ्यस स्थल उनके घर के करीब है। टीम में बदलाव से उनके घरेलू क्रिकेट करियर में एक नया अध्याय जुड़ेगा। इससे उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित होगा। जम्पा के लिए क्वींसलैंड उनके घरेलू करियर की तीसरी राज्य टीम होगी। इससे पहले उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में दक्षिण आस्ट्रेलिया की ओ से सात साल खेला था। इसके बाद वह न्यू साउथ वेल्स चले गए थे। इस अनुभवी स्पिनर के होने से टीम को बढ़त मिलेगी। अब वह क्वींसलैंड की ओर से खेलते हुए मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर और जेवियर बार्टलेट जैसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुबंधित खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करेंगे, जिससे टीम की गहराई और अनुभव दोनों में वृद्धि होगी। उनका आगमन शामिल होने से क्वींसलैंड का स्पिन आक्रमण भी बेहतर होगा। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर हाई परफार्मेंस, बेनेट किंग ने जम्पा के टीम में आने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, हमें बेहद खुशी है कि एडम जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी हमारे साथ जुड़े हैं। उनका अनुभव, खेल की समझ और शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने की क्षमता निस्संदेह हमारे युवा खिलाड़ियों और समग्र ग्रुप को बड़ा फायदा पहुंचाएगी। किंग ने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी जम्पा को आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के उनके लक्ष्यों को पूरा करने में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

भोपाल क्रिकेट को बेहतर बनाने के लिए बीडीसीए ने बनाई कार्ययोजना

भोपाल। भोपाल संभाग क्रिकेट संघ की प्रबंध समिति की बैठक 29 जुलाई को बीडीसीए कार्यालय में अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भोपाल क्रिकेट को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कई दिशा-निर्देश तय किए गए। बैठक में मध्य प्रदेश के हरफनमौला खिलाड़ी सारांश जैन के भारतीय टीम में चयन पर खुशी जताई गई। साथ ही उन्हें, मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ और इंदौर संभाग क्रिकेट संघ को बधाई दी गई। बीडीसीए की तीनों चयन समितियों के अध्यक्षों को यथावत रखने का निर्णय लिया गया। चयन प्रक्रिया में सुधार को लेकर भी चर्चा हुई। सभी वर्गों के बालक और बालिका खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने बताया कि प्रशिक्षकों के लिए संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद सभी वर्गों के खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शुरू कर चयनित खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे।

हाकी विश्व कप से पहले भारतीय स्ट्राइकरों ने बताया सफलता का फार्मूला

नई दिल्ली

एफआईएच हाकी विश्व कप-2026 के आगाज में अब दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में भारतीय पुरुष हाकी टीम अंतिम तैयारियों में जुटी हुई है।

टीम के स्टार फारवर्ड मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हाकी में सफलता के लिए फारवर्ड खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल, निरंतरता और टीमवर्क सबसे अहम हैं।

अपने चौथे एफआईएच विश्व कप में उतरने जा रहे अनुभवी फारवर्ड मनदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीखा और अब वही अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा कर रहे हैं।

उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, जब मैं युवा था, तब मैं सीनियर खिलाड़ियों से खूब सवाल पूछता था और उनसे बहुत कुछ सीखा। अब मैं वही अनुभव युवा फारवर्ड खिलाड़ियों के साथ साझा करता हूं। हम बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने, शांत रहने और सही फैसले लेने पर चर्चा करते हैं।

मनदीप के अनुसार, गोल करने की सफलता केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि सुनियोजित अभ्यास से मिलती है।

उन्होंने कहा, हम फारवर्ड खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र काफी विशेष होते हैं। हम डी के भीतर तालमेल बनाने, अंतिम पास को सही तरीके से लेने और हर आक्रमण को परिणाम तक पहुंचाने पर लगातार मेहनत करते हैं। हमारा लक्ष्य हर बार डी में प्रवेश करने पर गोल करना, गोल पर शाट लगाना या पेनल्टी कार्नर हासिल करना होता है।

उन्होंने आगे कहा, एक अच्छा स्ट्राइकर सिर्फ गोल करने के बारे में नहीं सोचता। हाकी टीम का खेल है और साथियों के साथ जितनी बेहतर समझ होगी, उतना ही प्रभावी प्रदर्शन होगा।

अपने पहले एफआईएच विश्व कप की तैयारी कर रहे शिलानंद लकड़ा ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों, खासकर मनदीप सिंह का मार्गदर्शन उनके लिए काफी मददगार रहा है।

उन्होंने कहा, जब भी मुझसे कोई गलती होती है, सीनियर खिलाड़ी बताते हैं कि मुझे कहां सुधार करना है। मनदीप भाई हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं और सही दिशा दिखाते हैं। उनकी सलाह से मुझे लगातार सीखने और बेहतर बनने में मदद मिलती है।

लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हाकी में फारवर्ड की भूमिका सिर्फ गोल करने तक सीमित नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा टीम के लिए हर संभव योगदान देने की कोशिश करता हूं। चाहे मौके बनाना हो, गोल करना हो या टैकल लगाना, मेरी कोशिश हर विभाग में योगदान देने की रहती है। अब फारवर्ड खिलाड़ी टीम की पहली रक्षापंक्ति भी होते हैं। यदि हम अच्छी डिफेंस करते हैं तो डिफेंडरों और मिडफील्डरों का काम आसान हो जाता है।

भारतीय टीम के भरोसेमंद गोल स्कोरर अभिषेक ने कहा कि उनकी निरंतरता का राज शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की कड़ी तैयारी है।

उन्होंने कहा, एक स्ट्राइकर की निरंतरता गेंद के बिना उसकी गतिविधियों से शुरू होती है। आफ-द-बाल मूवमेंट और प्रेसिंग बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि फारवर्ड ही टीम की पहली रक्षापंक्ति होते हैं। गेंद हासिल करने के बाद अन्य फारवर्ड खिलाड़ियों के साथ तालमेल बनाना और फिर आक्रमण को गोल, शाट या पेनल्टी कार्नर में बदलना हमारी जिम्मेदारी होती है।

मानसिक मजबूती पर उन्होंने कहा, डी के भीतर संयम अभ्यास से आता है। यदि आप प्रशिक्षण में मेहनत नहीं करेंगे तो दबाव की स्थिति में सही निर्णय नहीं ले पाएंगे। हम ध्यान (मेडिटेशन) और अनुभव के जरिए मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत बनाते हैं। जितना अधिक खेलेंगे, उतना ही कठिन परिस्थितियों में शांत रह पाएंगे।

एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 का आयोजन 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होगा। भारत को पूल-डी में रखा गया है, जहां वह अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: लवप्रीत सिंह ने सुपर हेवीवेट भारोत्तोलन में जीता रजत

ग्लासगो

भारत के स्टार भारोत्तोलक लवप्रीत सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के +110 किग्रा सुपर हेवीवेट वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। स्काटिश इवेंट कैंपस में गुरुवार को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में लवप्रीत ने कुल 388 किलोग्राम (स्नैच 176 किग्रा + क्लीन एंड जर्क 212 किग्रा) वजन उठाया। स्वर्ण पदक न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी ने कुल 389 किलोग्राम वजन उठाकर केवल एक किलोग्राम के अंतर से जीता।

28 वर्षीय लवप्रीत, जिन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 109 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था, इस बार सुपर हेवीवेट वर्ग में और भी दमदार अंदाज में नजर आए। उन्होंने स्नैच में अपने तीनों प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। पहले 168 किलोग्राम, फिर 173 किलोग्राम और अंत में 176 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार समोआ के सनेले माओ स्नैच में 175 किलोग्राम के तीनों प्रयासों में असफल रहे और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसका पूरा फायदा लवप्रीत ने उठाया और 176 किलोग्राम का सफल प्रयास कर स्नैच के बाद 10 किलोग्राम की बढ़त बना ली।

हालांकि क्लीन एंड जर्क में मुकाबला पूरी तरह बदल गया। लवप्रीत ने 212 किलोग्राम का सफल प्रयास किया, लेकिन 217 किलोग्राम उठाने में असफल रहे। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के डेविड लिटी ने 223 किलोग्राम का शानदार भार उठाकर क्लीन एंड जर्क का नया खेल रिकार्ड बनाया और कुल 389 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। हालांकि स्वर्ण पदक लवप्रीत से एक किलोग्राम दूर रह गया, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक से आगे बढ़ते हुए इस बार रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन अभियान का शानदार समापन किया और अंत तक स्वर्ण के लिए कड़ा संघर्ष किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सीमा ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में जीता कांस्य

ग्लासगो। भारत की सीमा कालीरामना ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में कांस्य पदक जीता। उनके दूसरे प्रयास में 58.65 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो (छह में से उनके केवल दो ही वैध थ्रो थे) उन्हें पोडियम तक पहुँचाने के लिए काफ़ी था। प्रतियोगिता में शामिल दूसरी भारतीय, निधि रानी, 57.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इन खेलों में महिलाओं के डिस्कस थ्रो में भारत का यह नौवां पदक है और कालीरामना छठी अलग-अलग मेडलिस्ट हैं। सीमा पूनिया के नाम चार राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें तीन रजत शामिल हैं। जमैका की सामंथा हाल ने 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

अफगानिस्तान क्रिकेट के नये फील्डिंग कोच बने मैकडरमाट

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ शेन मैकडरमाट को अफगानिस्तान का नया असिस्टेंट और फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के पहले इस बदलाव से टीम को लाभ होने की की संभावना है। मैकडरमाट 1 अगस्त को अफगानिस्तान टीम से जुड़ेंगे। अफगान टीम को आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

मैकडरमाट मुख्य कोच रिचर्ड पाइबस के साथ मिलकर काम करेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में जोनाथन ट्राट की कोच की भूमिका संभाली थी। मैकडरमाट के आने से टीम को फील्डिंग कौशल बेहतर होगा। वह भी ऐसे समय में जब अफगानिस्तान क्रिकेट लगातार विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रही है।

मैकडरमाट के पास कोचिंग का लंबा अनुभव है, खासकर फील्डिंग के क्षेत्र में, जहां उनकी

विशेषज्ञता को काफी सराहा जाता है। उन्होंने पहले बांग्लादेश के लिए तीन साल तक सहायक कोच की भूमिका निभाई है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट के साथ भी इसी भूमिका में तीन साल बिताए। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान टीम से उनका अचानक अलग होना कई लोगों के लिए हैरानी भरा था पर अब उन्होंने अफगानिस्तान के साथ एक नई चुनौती स्वीकार की है, जो उनकी कोचिंग क्षमता और अनुभव का लाभ उठाएगी।

यह आयरलैंड दौरा अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए कई मायनों में एक नया अध्याय भी होगा। इस सीरीज में रहमत शाह पहली बार वनडे टीम की कप्तानी की बागडोर संभालेंगे, जो उनके लिए और टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह युवा कप्तान के नेतृत्व में टीम की क्षमताओं का आकलन करने और भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए रणनीति बनाने का एक अहम मौका होगा। अफगानिस्तान टीम एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ मैदान पर उतरेगी। पांच मैचों की यह एकदिवीसय सीरीज ब्रेडी में शुरू होगी, जहां शुरुआती दो वनडे मैच 5 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम बेलफास्ट का रुख करेगी, जहां बाकी तीन मैच क्रमश: 10, 12 और 15 अगस्त को आयोजित होंगे।

एशियन लीजेंड्स लीग में 2 अगस्त को होगा इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स में मुकाबला

मुम्बई

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबलों का प्रशंसकों को हमेशा से ही इंतजार रहता है। वहीं अब रिटायर्ड क्रिकेटरों की की एशियन लीजेंड्स लीग में ये दोनो देशों की टीमें 2 अगस्त को फिर आमने-सामने होंगी। इसमें भारत के पूर्व क्रिकेटरों की इंडियन रायल्स का मुकाबल पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

पहले ये टूर्नामेंट 2 जून 2026 से केन्या के नैरोबी स्थित जिमखाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला था पर अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला श्रीलंका लायंस और अफगानिस्तान पठान्स के बीच खेला जाएगा। पहले सत्र में लीग को मिली शानदार सफलता को देखते हुए लीग इस बार और भी बड़े स्तर पर वापसी करने जा रही है। ये सभी मुकाबले जाम्बिया के लोटस स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

इसमें भारत की इंडियन रायल्स का मुकाबला पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

20 ओवर के प्रारूप में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें विभिन्न एशियाई देशों के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एक मंच

पर नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट को रिटायर्ड खिलाड़ियों का एशिया कप भी कहा जाता है। इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मुकाबला 2 अगस्त को इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स के बीच खेला जाएगा, जिसका प्रशंसक अभी से ही इंतजार कर रहे हैं। एशियन लीजेंड्स लीग में इंडियन रायल्स, पाकिस्तान पैंथर्स के अलावा श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान्स, बांग्लादेश टाइगर्स और रेस्ट आफ एशियन स्टार्स जैसी फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी।

लीग अधिकारियों ने कह है कि इस टूर्नामेंट में केवल एशियाई देशों की टीमों को ही भाग लेने की अनुमति होगी, जिससे यह प्रतियोगिता एशियाई क्रिकेट की विरासत, जुनून और प्रतिद्वंद्विता का उत्सव बनेगी। सीजन 2 में श्रीलंकाई दिग्गज तिषारा परेरा, तिलकरत्ने दिलशान के अलावा भारत के ऋषि धवन, मोहित शर्मा वहीं अफगान टीम के असगर अफगान श्रीलंका के दनुष्का गुणथिलका, भारत के नमन ओझा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित कई दिग्गज क्रिकेटर मैदान में नजर आ सकते हैं।

दोने टीमें इस प्रकार हैं :

इंडियन रायल्स

शिखर धवन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषि धवन, अंबाती रायुडू, मनप्रीत गोनी, स्टुअर्ट बिन्नी, यूसुफ पठान, नमन ओझा, सुदीप त्यागी, सुरेश रैना, शाहबाज नदीम, फैज फजल, हरभजन सिंह, अनुरीत सिंह, शदाब जकाती, पवन नेगी

पाकिस्तान पैंथर्स

उमर अकमल, मोहम्मद हफीज, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज, अब्दुर रहमान, सईद अजमल, राहत अली, कामरान अकमल, शर्जील खान, यासिर शाह, सामी असलम, शोएब मलिक, राना नईम अनवर, मोहम्मद इरफान, नवेद-उल-हसन, इमरान नजीर।